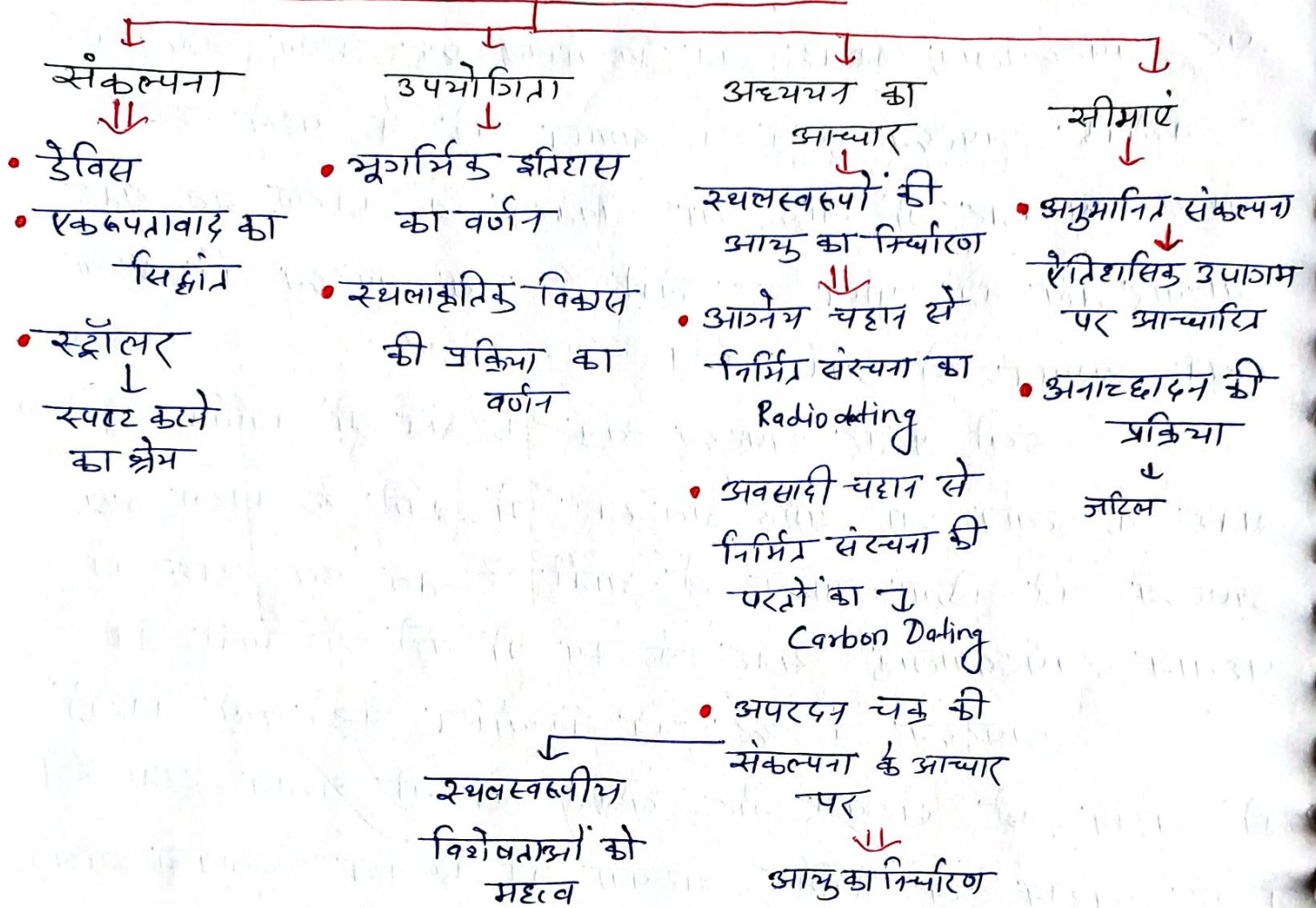


अनाच्छादन काल अनुक्रम (Denudation Chronology)



→ बर्छिनित्र भूसंचलन से संबंधित अनाच्छादन की प्रक्रिया का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन अनाच्छादन कालानुक्रम की संकल्पना पर आन्धकार है। इस संकल्पना को स्पष्ट करने का श्रेय स्ट्रॉलर को दिया जाता है जबकि इसके पहले की भूगोल वेताओं ने भी ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में स्थलाकृति के विकास के अध्ययन को महत्व दिया था।

→ डैन ने present "वर्तमान ही प्रतीत की कुंजी है" की संकल्पना के आन्धकार पर यह स्पष्ट किया कि वर्तमान में जो भूभौतिकी घटनाएं होती हैं प्रतीत में भी होती थीं केवल इनके तीव्रता में अंतर संभव है।

डेविड ने भी अपरदन चक्र की संकल्पना को स्पष्ट करते समय ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में स्थलाकृति के विकास के

विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन किया।

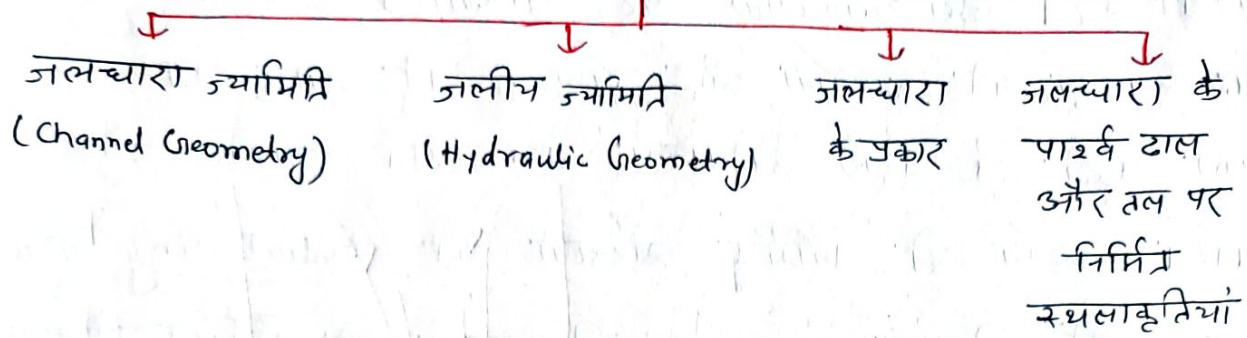
→ अनाच्छादन काल अनुक्रम की संकल्पना के आन्ध्र पर फिली भी स्थलस्वरूप के भूगर्भितु इतिहास का वर्णन करने के साथ अतीत में हुए परिवर्तन की व्याख्या की जा सकती है। इस संकल्पना पर आन्ध्रिय अध्ययन के अंतर्गत चट्टान की संख्या और संगठन की आयु का निर्धारण करने के लिए जीवाश्म की रीति आग्नेय और कायान्तरित चट्टान से निर्मित संख्या का Radio Dating किया जाता है वहीं जीवाश्म युक्त अवसादी चट्टान से निर्मित संख्या के विभिन्न परतों के जीवाश्म का Carbon Dating के द्वारा आयु को निर्धारित किया जाता है।

यहां तक कि अपरदन चक्र की संकल्पना पर आन्ध्रिय अध्ययन के द्वारा स्थलस्वस्थीय विशेषताओं के अनुसंधान स्थलाकृतिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं को निर्धारित किया जाता है।

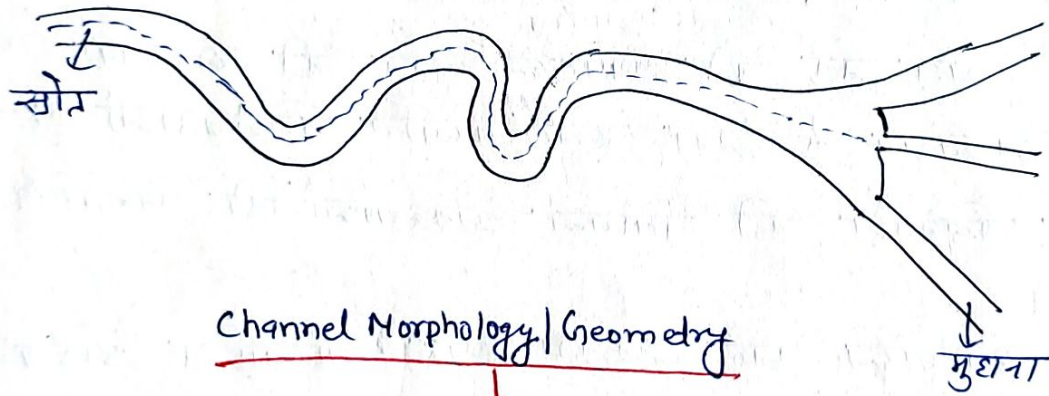
अनाच्छादन काल अनुक्रम पर आन्ध्रिय अध्ययन ऐतिहासिक उपागम पर आन्ध्रिय एक अनुमानित संकल्पना है जिसमें भूदृष्टियों के क्षेत्र की संभावनाएं बनी रहती हैं वहीं अनाच्छादन एक ऐसी जटिल प्रक्रिया है जिसका संबंध केवल बाह्य कारकों के प्रभाव से ना होकर भूगर्भितु संख्या और संगठन के साथ अंतर्गत बल से भी होता है। इसलिए ही ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अनाच्छादन के दर को निर्धारित करना भी एक जटिल कार्य है। व्यवहारिक स्तर पर जहां अनाच्छादन की प्रक्रिया का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन एक कठिन कार्य है वहीं संकल्पना पर आन्ध्रिय अध्ययन के द्वारा न केवल अतीत में हुए परिवर्तन का

अनुमान लगाया जा सकता है बल्कि वैज्ञानिक विधि की सहायता से किसी भी स्थलस्वरूप की भूगर्भिक इतिहास का वर्णन किया जा सकता है।

जलचारा आकारिकी (Channel Morphology)



जलचारा ज्यामिती

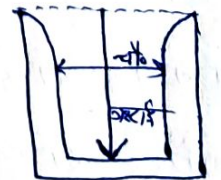


अनुदैर्घ्य परिच्छेदिका
(Longitudinal Profile)

स्रोत से मुहाने तक नदी की लंबाई

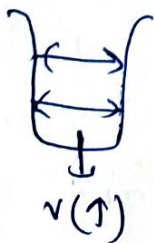
अनुप्रस्थ परिच्छेदिका
(Transverse Profile)

जलचारा की चौड़ाई और गहराई का अध्ययन



जलीय ज्यामिती

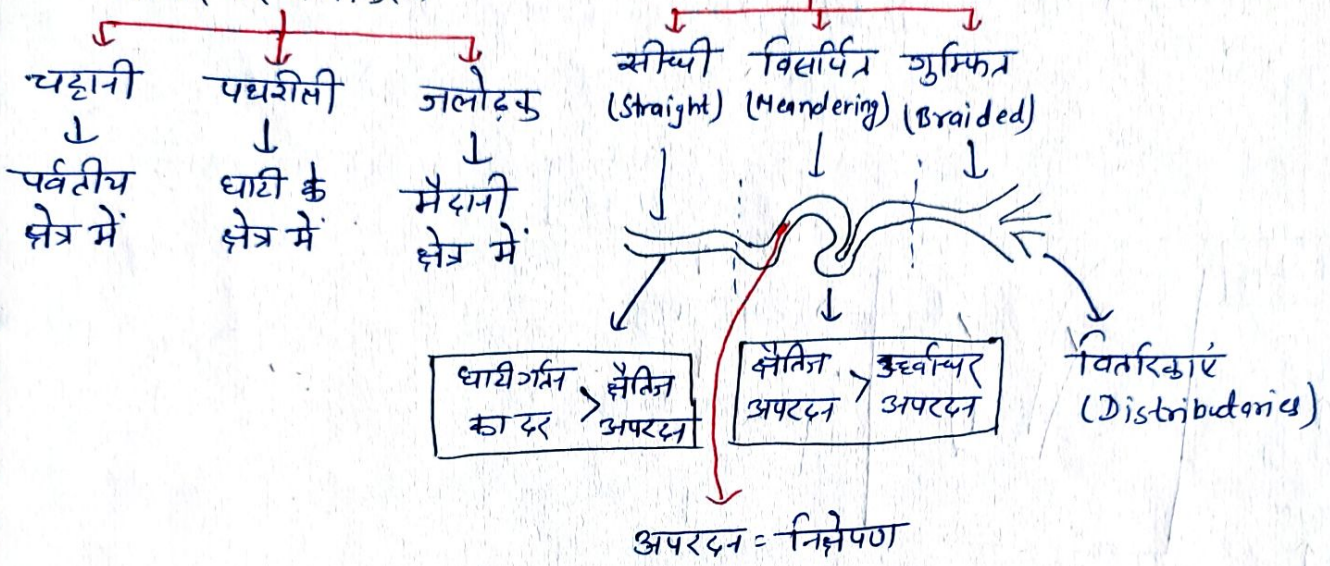
→ जलचारा में उवाहित होनेवाली नदी में जल की मात्रा



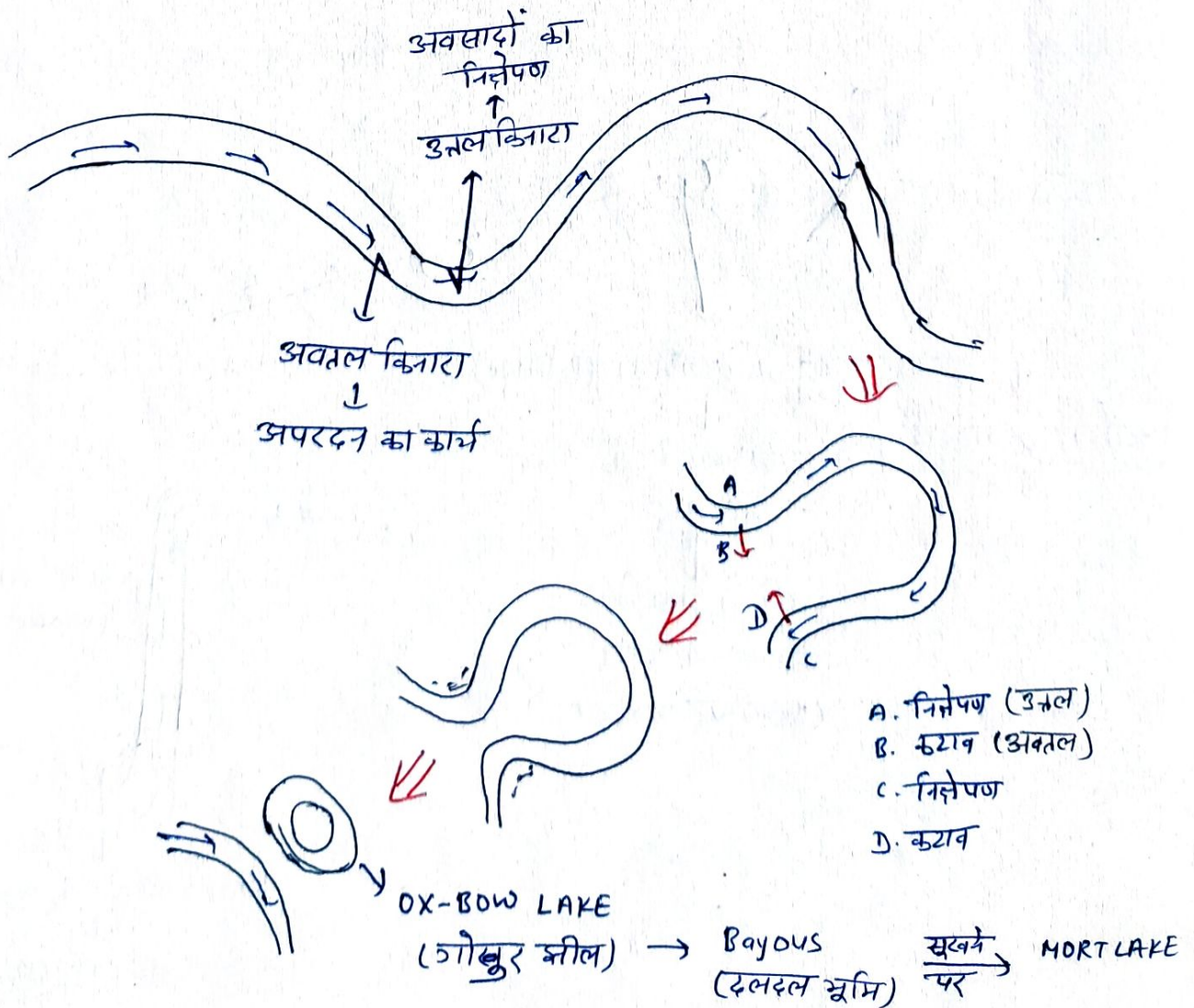
जलचारा के प्रकार

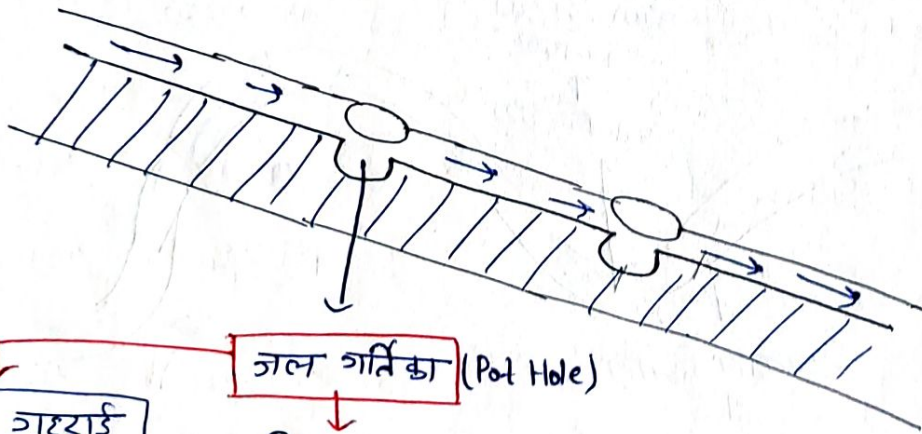
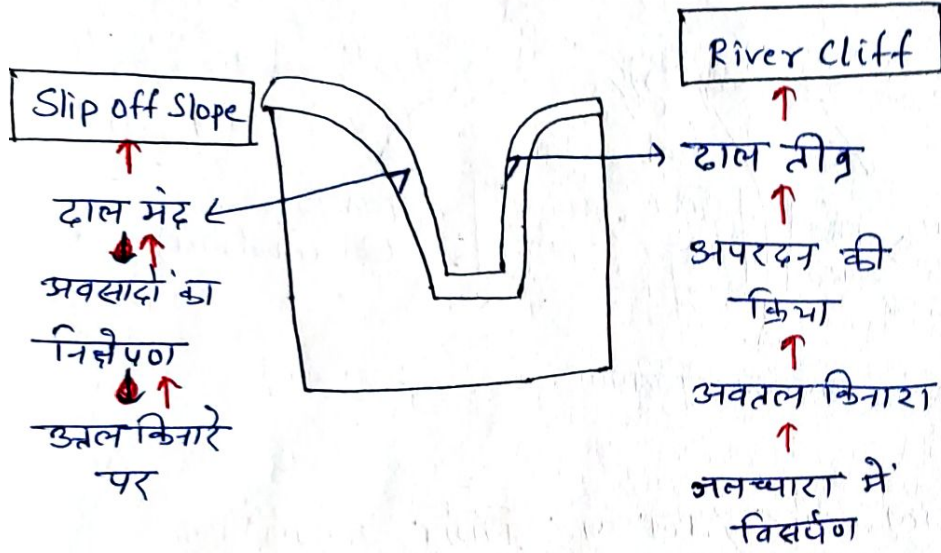
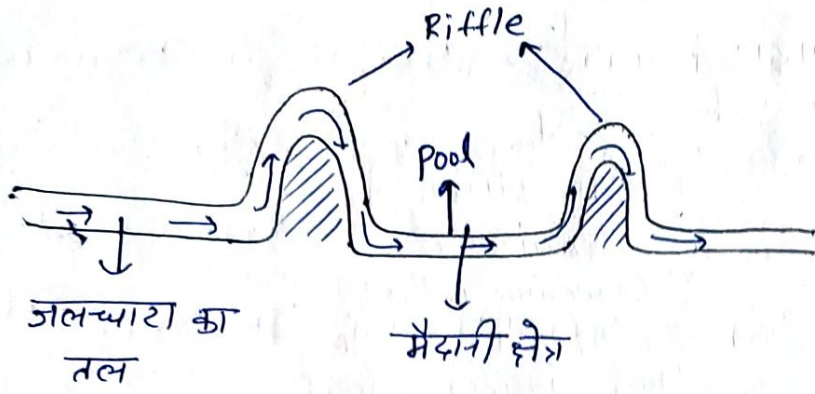
चैनल की संरचना और संगठन के आन्धार पर वर्गीकरण

वक्रता सूचकांक के आन्धार पर (Curvature Index)



जलचारा के पार्श्व ढाल और तल पर निर्मित स्थलाकृतियां

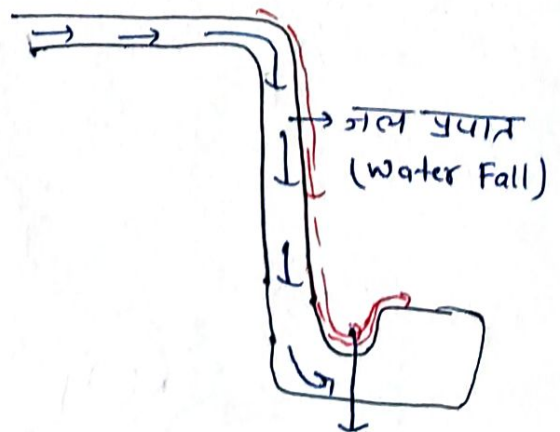




चौड़ाई > गहराई

नदी धारी के तल पर

धारी के तल के कराव के द्वारा (उच्चर अपरदन)



जल गर्तिका के वृद्ध रूप को

अवनमन कुंड (Plunge Pool)